# अति कभी ना करना प्यारे

अति कभी ना करना प्यार है इति तेरी हो जाएगी ।
बिन पंखों के पंछी जैसे गति तेरी हो जाए ॥

अतिसुंदर की सीता मैया जिसके कारण हरण हुआ,
अति घमंडी था जो रावण जिसके कारण मरण हुआ ।
अति अभिमान कभी ना करना क्षति तेरी हो जाएगी ॥
बिन पंखों के...

अति वचन बोली पांचाली महाभारत का युद्ध हुआ,
अति दान देकर के राजा बलि भी बंधन युक्त हुआ ।
अति विश्वास कभी ना करना मती तेरी फिर जाएगी ॥
बिन पंखों के...

अति बलशाली सेना लेकर कौरव चकनाचूर हुए,
अति लालच वश जाने कितने सतकर्मो से दूर हुए ।
अति के पीछे हर्ष न दौड़ो अति अंत करवाएगी ॥
बिन पंखों के...

स्वर :गिरधर महाराज
रचना :हर्ष

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw